प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।

स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉंग इन करें https:// dainikyashonnati.com

एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 25 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी बुधवार 20 सितंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार ..... पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

मु यमंत्री 23 सित बर को पथ-विक्रेताओं से करेंगे चर्चा

भोपाल में होगा पथ-विक्रेता महास मेलन

सिवनी यशोः- मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 23 सितंबर को भोपाल में प्रदेश के पथ-विक्रेताओं का महास मेलन होगा, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के पथ विक्रेता शामिल होंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सभी 413 नगरीय निकाय और समस्त ग्राम पंचायतें वर्चुअली जुड़ेंगी। मु यमंत्री श्री चौहान महास मेलन की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पथ-विक्रेता स्थानीय अर्थ-व्यवस्था के प्रभावी अंग हैं, उन्हें हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध है। महास मेलन में पथ-विक्रेताओं से चर्चा होगी। चर्चा में वे अपने अनुभव तथा सफलता की कहानियाँ प्रदेश के अन्य पथ-विक्रेताओं से अवश्य साझा करें।

बताया गया कि 23 सित बर को भोपाल के गोविंदपुरा स्थित दशहरा मैदान में पथ-विक्रेता महास मेलन होगा। मु यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री स्व-निधि और मु यमंत्री स्व-निधि के हितग्राहियों को हित लाभ वितरित किए जाएंगे। आयोजन स्थल पर पीएम स्व-निधि व सीएम स्व-निधि के स्टॉल भी लगेंगे। महास मेलन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह शामिल होंगे। बैठक में अपर मु य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश

सिवनी यशोः-लोकसभा में आज 19 सितंबर को 128वां संविधान संशोधन बिल यानी नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश किया गया। इसके मुताबिक लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33त्न रिजर्वेशन लागू किया जाएगा। लोकसभा की 543 सीटों में 181 महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। लोकसभा में इस बिल पर कल 20 सितंबर को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक बहस होगी।

नए विधेयक में सबसे बड़ा पेंच ये है कि यह डीलिमिटेशन यानी परिसीमन के बाद ही लागू होगा। परिसीमन इस विधेयक के बाद होने वाली जनगणना के आधार पर होगा। 2024 में होने वाले आम चुनावों से पहले जनगणना और परिसीमन करीब-करीब असंभव है।

घर घर में श्रद्धा के साथ विराजे गजानंद

सिवनी यशोः जिले में आज से गणेश महोत्सव शुरू होगया है। इस

दौरान गणपति बाप्पा घर-घर में श्रद्धा भक्ति के साथ बिराजें गये है। गणेश स्थापना के बड़ी सं या में गणेश प्रतिमाएँ खरीदने के लिये श्रद्धालु बाजारों में मंगलवार की देर रात तक घुमते रहे। सुबह गणेश जी की स्थापना के लिये पूजन सामग्री और पंडित जी को तलाशते रहे। शुभ मुहूर्त में गणेश जी स्थापित करने की जल्दबाजी श्रद्धालुओं में दिखाई दे रही थी। इस बार मुहूर्त को लेकर बड़ी दुविधा बनी रही। कुछ ज्योतिषाचार्यों ने सोमवार से मंगलवार तक गणेश स्थापना का मुहूर्त बताया तो कुछ मंगलवार को दिन भर मुहूर्त होने की बात कहते रहे। इसी प्रकार की भ्रमपूर्ण स्थिती से गणेश जी के भक्त भ्रमित रहे। गणेश प्रतिमाएँ स्थापित करने वाले श्रद्धालुओं में इसबार एक बात बहुत अच्छी देखी गयी कि वे मिट्टी की प्रतिमाएँ खरीदने में अधिक रूचि ले रहे थे। गणेश उत्सव प्रारंभ होने के पूर्व तैयारियां बड़े उत्साह से की जा रही थी। विभिन्न संगठन एवं श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की मूर्तियां सोमवार को ही खरीद ली हैं जबकि कई महोत्सव की शुरुआत के अवसर पर मंगलवार खरीदते हुये दिखे। इस बार के गणेश महोत्सव को लेकर लोगों में जबर्दस्त उत्साह नजर आ रहा है। बाजारों में भी रौनक है। जिले में मंगलवार को आरंभ हुये गणेश महोत्सव के सिलसिले में सोमवार को पूरे दिन गणेश जी की धूम दिखाई दी। धार्मिक संगठन पंडाल सजाने में लगे रहे गणेश उत्सव में बच्चो का उत्साह देखते बन रहा था। गणेश प्रतिमाएँ पसंदकरने बच्चे भी अभिभावको के साथ आ रहे थे।

अनेक परिवारों और गणेश पूजन पंडाल के द्वारा मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं के साथ ईको फ्रेंडली गोबर से बनी गणेश प्रतिमाएँ पसंद की और इन प्रतिमाओं का सीमित स्टाक होने से अनेक श्रद्धालुओं को विकल्प के तौर पर मिट्टी की प्रतिमाएँ लेकर जाना पड़ा।

पंडालों को भव्य रूप दिया जा रहा है और उनमें श्रद्धालुओं की सुविधा और पूजा अर्चना करने की पूरी व्यवस्था की है। जबकि आम लोग अपने घरों में गणेश जी प्रतिमा स्थापित कर पूजा स्थलों को आकर्षक बना रहे हैं। महोत्सव के लिए धार्मिक संगठनों और श्रद्धालुओं ने मंगलवार को बड़ी सं या में गणेश जी की प्रतिमाएं स्थापित कर ली है। जिला मु यालय सहित सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश उत्सव को लेकर भारी उत्साह बना हुआ है।

गणेश जी की भव्य और आकर्षक प्रतिमाएँ सार्वजनिक पूजल पंडालों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बाजे गाजे के साथ चौपाहिया वाहन में लेकर श्रद्धा के जा रहे है। सोमवार रात से मंगलवार को देर तक प्रतिमाओं को बाजे गाजे के साथ वाहनों में नाचते हुये लेकर श्रद्धालु जा रहे थे। मंगलवार को अधिकांश स्थानों में गणेश जी की प्रतिमाएँ स्थापित करने के पवित्र वैदिक मंत्र उच्चारित होते रहे।

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाएं ने रखा निर्जला व्रत,फुलेहरा बांधकर की पूजा

सिवनी यशोः- सिवनी जिले में हजारों सुहागिन महिलाओं ने पति की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखा। और रात्रि में फुलहरा बांधकर जागरण किया। रातभर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। शाम तक बाजार में फुलेहरा समेत पूजन सामग्री की दुकानें सजी रही। शुक्रवारी चौक,मठ मंदिर,बुधवारी बाजार,गणेश चौक, शंकर मढिया समेत कई स्थानों पर पूजन सामग्री की दुकानें लगी रही। पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाओ ने कल हरितालिका तीजा का निर्जला व्रत

रखते हुए।ईश्वर से सुख समृद्धि के लिए कामना की। मान्यताओं के अनुसार सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जला व्रत रखकर पूजन करने से पति पर कोई संकट नही आता। वहीं पूजन को लेकर घर-घर पहले से ही तैयारियां शुरु हो गई थी। घरों में ठेठरी, खुर्मी व विभिन्न प्रकार का पकवान बनाये गए। महिलाओं ने विधि विधान से पूजा अर्चना और रतजगा कर भजन कीर्तन किया।आज सुबह स्नान कर व्रत तोड़ा।पर्व को लेकर सुहागिनों में खासा उत्साह नजर आया। शिव मंदिरों में भी फुलहरा बांधकर विशेष पूजन किया गया।

विशिष्ट सेवा के लिये स्व. गौरीशंकर तिवारी को मिला श्री शंकराचार्य सेवा स मान

सिवनी यशोः- भगवत्पूज्यपाद धर्मसम्राट् अनन्तश्री विभूषित ज्योतिष् एवं द्वारका- शारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानन्द सरस्वती जी महाराज जी के जन्म शताब्दी महोत्सव के शुभावसर पर श्रीपरमहंसी गंगा आश्रम में स्व. गौरीशंकर तिवारी को परमपूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य

स्वामी श्री स्वरूपानन्द सरस्वती महाराज की विशिष्ट सेवा के लिए परमपूज्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज के द्वारा ÷श्री शंकराचार्य सेवा स मान÷ से स मानित किया गया। यह स मान श्री तिवारी के परिवार की ओर से संजय तिवारी ने प्राप्त किया।

विदित है कि गुरुचरणानुगामी गुरुसेवक परमश्रद्धेय पं गौरीशंकर तिवारी का जन्म सिवनी के संगई ग्राम में हुआ। उच्च शिक्षा प्राप्त कर आप शिक्षक के रूप पदस्थ हो शासकीय सेवा में रहे। आपने शासकीय सेवा को त्याग कर पूज्यपाद जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया।

सरस्वती शिशु/उच्च.माध्य.विद्यालय सिवनी में बुद्धिप्रदाता श्री गणेश विराजित''

सिवनी यशोः- नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था संस्कारों की पाठशाला सरस्वती शिशु मंदिर सिवनी में प्रथम पूज्य बुद्धिप्रदाता श्री गणपति की प्रतिमा को हर्षोल्लास के वातावरण में वैदिक मंत्रोपचारण के बीच स्थापित किया गया। पर्यावरण के बढते हुए संकट के प्रति भैया-बहिनों में जागरण एवं चेतना प्रदान करने के लिए इस वर्ष विद्यालय में गाय के गोबर

से निर्मित श्री गणपति जी की प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा स्थापना समारोह में समस्त आचार्य परिवार एवं भैया बहिनों की सहभागिता रही।

देवरी मुल्ला में अयोजित हुआ विशाल ईनामी दंगल

छपारा यशोः- केवलारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत धनौरा ब्लॉक के ग्राम देवरी मुल्ला में अयोजित विशाल ईनामी दंगल प्रतियोगिता के अयोजन में

पूर्व विधायक ठाकुर रजनीश हरवंश सिंह जी ने स मिलित होकर विशाल दंगल के अयोजन में उपस्थित पहलवानों का उत्साह वर्धन किया एवं उपस्थित दर्शक बन्धुओं को स बोधित किया।

इस अवसर पर साथ ही धनौरा ब्लॉक अध्यक्ष विकास बघेल जी, जिला कांग्रेस महामंत्री मुकेश जैन जी,जिला कांग्रेस महामंत्री हर्षवर्धन सिंह लकी बघेल जी, जनपद सदस्य डब्लू खान जी, मंडलम अध्यक्ष राजेन्द्र बघेल जी, ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता सतीश बघेल जी,से टर अध्यक्ष बलराम प्रजापति जी एवं समस्त दर्शक गणों की उपस्तिथि रही।

''उप जेल लखनादौन में जांच शिविर का अयोजन''

सिवनी यशोः-मु य चिकित्सा एवं स्वाास्य्सी अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने बताया कि मध्ययप्रदेश राज्यं एड्स नियंत्रण समिति के दिशानिर्देशानुसार जिले में एकीकृत एस.टी.आई., एच.आई.व्ही., टी.बी., हेपेटाईटिस जागरूकता एवं जांच कैपेंन अभियान अंतर्गत आज दिनांक 19 सित बएर 2023 को उपजेल लखनादौन में जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 92 बंदियो की स्क्री निंग कर जांच की गई एवं जाच उपरांत प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया तथा दवाईया वितरित कर रोगो के बारे में बचाव एवं उपाय के बारे में विस्तृात जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्तर

धूम्रपान एवं त बाएकू उत्पामद से होने वाले दुष् भावों के बारे मे समझाईश भी दी गई।

उक्ता शिविर में जिला स्वानस्यी एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. वंदना कमलेश, डॉ. जे.पी.एस. परतेती, उपजिला विस्ता र एवं माध्याम अधिकारी शांति डहरवाल, एएनएम कुसुम चन्द्रेवंशी, आईसीटीसी काउन्सरलर संजय मार्को, एसटीआई काउन्सवलर फौजिया अंजुम, एसटीएलएस हेमंत साहू, लैब टे नीनशियन विकास पलासिया एवं जेल स्टॉफ उपस्थित रहा।

सेवा निवृत्त हुए 30 कर्मचारियों को किया गया पी.पी.ओ. वितरण

सिवनी यशोः- कले टर क्षितिज सिंघल द्वारा जिला मु यालय स्थित विभिन्न विभागों के सेवानिवृत्त हुए 30 शासकीय सेवक क्रमशः प्राध्यापक डॉ टर श्रीमती संध्या श्रीवास्तव, सहायक शिक्षक श्रीमती सुशीला कुंजाम, भृत्य शेख जिब्राइल कुरैशी, उपयंत्री सुरेश कुमार कोरी, शीघ्रलेखक मोहन सिंह सरेयाम, रसोइया श्री पूनाराम भलावी, वनपाल श्री रमाकांत सिंह, सहायक शिक्षक मनोहर कुमार साहू, भृत्य ललित कुमार शिवस्थी, व्या याता रमेश कुमार तिवारी, भृत्य रज्जन कहार, सहा.पशु चिकित्सा अधिकारी रामानुज तिवारी, उपवन क्षेत्रपाल रामस्वरूप परते, मु य आरक्षक रमाकांत पटेल, प्रधान पाठकराम सिंह सल्लामे, सहायक शिक्षक महेंद्र सिंह बघेल, सहायक शिक्षक श्रीमती अनीता पवार, प्रधान पाठक श्रीमती कुंती देवी राय, सहा पशु चिकित्सा अधिकारी लाल साहब कश्यप, कार्यपालन यंत्री अशोक कुमार विनोदिया, प्रधान पाठक रमेश कुमार गजभिए, रीडर ग्रेड 1 विजय कुमार गार्गे, स्पोर्ट सहायक अजय कुमार यादव, भृत्य राम प्रसाद भलावी, उच्च श्रेणी शिक्षक झामसिंह मेध, दवासाज रामप्रसाद मरावी, उच्च श्रेणी शिक्षक गंगाराम धुर्वे, सहायक उप निरीक्षक हीरामन तिवारी एवं सहायक शिक्षक चैन सिंह बिसेन को पेंशन पेमेन्ट आर्डर (पी.पी.ओ.) एवं जी.पी.ओ. का वितरण किया गया। इस अवसर पर अपर कले टर सीएल चनाप, जिला कोषालय अधिकारी आर.एस. डुडवे, अति. जिला पेंशन अधिकारी सुश्री गायत्री कोष्टा, सहायक पेंशन अधिकारी धनेन्द्र कुमार उईके, जिला पेंशनर्स एसोसिएशन अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सिसोदिया सहित जिला पेंशन एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

पीपीओ वितरण कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के शासकीय सेवा के दौरान किये गये कार्यों की सराहना करते सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों पुष्पमाला पहना कर उनके सुखद एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

कचरे की ढेर में मिला नवजात शिशु का शव

सिवनी मु यालय के अंबेडकर वार्ड में कचरा के ढेर में एक नवजात शिशु का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई स्थानीय लोगों ने इस बात की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी जहां पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात के शव को जिला चिकित्सालय भेजा गया इस पूरे मामले को लेकर पुलिस द्वारा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

जबरन नॉलेज

महिला आरक्षण बिल आने पर महिला मोर्चा ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया

सिवनी यशोः- देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नये संसद भवन में प्रवेश के साथ ही महिला सशक्तिकरण के लिये सरकार ने पहला बिल नारी शक्ति के स मान से संबंधित पेश किया और महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित कराने वाला बिल प्रस्तुत कर स्पष्ट कर दिया कि भाजपा नारी शक्ति के स मान के लिये प्रतिबद्ध है। नारी स मान और राष्ट्र की प्रगति के लिये देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो ऐतिहासिक कार्य किये है वह पिछली सरकारों की कल्पना से बाहर है। देश की सत्ता में महिलाओं की भागीदारी बढाने वाले बिल का महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला उईके ने स्वागत किया है और उन्होंने महिलाओं के बीच कार्यक्रम आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुये उनकी दीर्घायु स्वस्थ्य मंगलमय जीवन की कामना करते हुये महिला आरक्षण बिल लाने के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन पर भाजपा द्वारा सेवा पखवाडा मनाया जा रहा है। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत महिला मोर्चा द्वारा आंगबाड़ी केन्द्रो में आयोजित कन्या पूजन किया पौष्टिक आहार मोटा अनाज के विषय में जानकारी दी, सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही समस्त योजनाओं की जानकारी बहनों को दी एवं स्वच्छता अभियान चलाया इस अवसर पर उपस्थित महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला उइके जिला मंत्री भाजपा एवं कार्यक्रम की जिला प्रभारी सुश्री रानी बघेल,महिला मोर्चा की महामंत्री श्रीमती किरण वाहने ,महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सुश्री बिंदु बघेल महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष श्रीमती कविता शर्मा, महिला मोर्चा की सोशल मीडिया प्रभारी श्रीमती अनीता राठौर, नगर मंडल की मंत्री ज्योति राजपूत, एवं समस्त लाडली बहने उपस्थित रहीं।

इसके साथ ही महिला मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रमो में उपस्थित बहिनों को संबोधित करते हुये भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला उईके ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लोक सभा एवं राज्यों की विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण से जुड़े बिल को मंजूरी दे दी गई, और संसद के नये भवन में प्रवेश करते ही मोदी सरकार ने पहला प्रस्ताव महिला आरक्षण प्रस्तुत कर नये भवन के नारीशक्ति के लिये गौरवपूर्ण बना दिया। महिला आरक्षण के लिये लंबे समय से अनेक सरकार केवल गाल बजाती रही परंतु पूरी ईमानदारी से काम नहीं किया गया परंतु भारतीय जनता पार्टी की सरकार महिलाओं को सत्ता में भागीदारी के लिये जो ऐतिहासिक काम किया है वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। भाजपा महिला मोर्चा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा महिला आरक्षण बिल को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि मोदी है तो मुमकिन है। महिला मोर्चा की बहिनों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने इतिहास रचा। हम भाजपा महिला मोर्चा अपना आभार व्यक्त करते हैं।

मरीज को फल वितरण कर मनाया प्रधानमंत्री का जन्मदिन

छपारा यशोः- 17 सितंबर को भारत के यशस्वी लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल छपारा के द्वारास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपारा में निशुल्क शिविर(प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड कैंप) का आयोजन किया गया साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरण किया गया इस कार्यक्रम में नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती निशा सुरेश पटेल नगर परिषद के उपाध्यक्ष शिवाकांत सिंह जी अल्पसं यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष शाहिद खान भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष पंकज जोलदेव जितेंद्र राजपूत जित्तु पार्षद धर्मेंद्र जैन राकेश भारद्वाज मोनू साहू अंकित ठाकुर सहित बड़ी सं या में भारतीय जनता पार्टी के जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे

भारत में हैदराबाद के विलय के समय चले ऑपरेशन पोलो"की कहानी

रमेश शर्मा-

***13 सितंबर से 17 सितंबर 1948 तक चले इस अभियान को ÷ऑपरेशन पोलो÷ नाम दिया गया।**

***17 सितंबर को हैदराबाद के निजाम ने अपनी सेना के साथ आत्म समर्पण कर दिया और हैदराबाद का सफलतापूर्वक भारत मे विलय हो गया।**

***18 सित बर 1948 निजाम का समर्पण और हैदराबाद भारत का अंग बना।**

***3 से अधिक सैनिकों का बलिदान=सा प्रदायिक हिंसा में 25 हजार हत्याएँ।**

पूरे संसार में केवल भारत ऐसा देश हैं जहां स्वतंत्रता के बाद भी स्वतंत्रता का स्वरूप लेने के लिये भी लाखों बलिदान हुये और करोड़ो लोग बेघर हुये। जिन स्थानों पर स्वतंत्रता के बाद भी भारी हिंसा और संघर्ष हुआ उनमें एक हैदराबाद रियासत भी रही है। जहाँ सेना के हस्तक्षेप के बाद ही हिंसा रुक सकी और और वह भू-भाग भारतीय गणतंत्र का अंग बन सका। सेना ने 13 सित बर को हैदराबाद में प्रवेश किया, 17 सित बर की शाम को हैदराबाद के निजाम ने समर्पण किया और 18 सित बर को विलीनीकरण दस्तावेज पर हैदराबाद के शासक निजाम के हस्ताक्षर हुये।

स्वतंत्रता के पूर्व भारत में तीन प्रकार का प्रशासनिक स्वरूप था। एक जो सीधा अंग्रेजों के आधिपत्य में था, दूसरा वह अंग्रेजों का ध्वज और दासता तो थी किंतु निचले स्तर पर किसी राजा या नबाब का शासन था। और तीसरा डच या फ्रांसीसी सत्ता के हाथ। जून 1947 में वायसराय माउंटवेटन द्वारा बनाये गये फार्मूले से 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता तो मिली पर यह स्वतंत्रता केवल ब्रिटिश आधिपत्य वाले क्षेत्रों तक ही सीमित थी।

अंग्रेज जा तो रहे थे लेकिन वे एक ऐसे भारत की नींव बनाकर जा रहे थे जो सतत गृह कलह और रक्तपात में ही उलझा रहे।

उन्होंने एक चाल चली। अंग्रेजों ने भारतीय रियासतों को भी स्वतंत्रता दी थी और उनसे कहा था कि वे चाहें तो स्वतंत्र रहें अथवा भारत या पाकिस्तान किसी में मिल लें। इसका लाभ कुछ रियासतों ने उठाया उसमें हैदराबाद भी थी। सभी रियासतों को जून 1947 में ही इस फार्मूले की सूचना मिल गयी थी। सूचना मिलते ही जून 1947 में हैदराबाद के शासक निजाम ने स्वयं को स्वतंत्र रहने का पत्र भेज दिया था और स्वतंत्र रहने की तैयारी आरंभ कर दी थी। निजाम को इस काम में अंग्रेजों का मौन और मोह मद अली जिन्ना का खुला समर्थन मिल गया था।

लेकिन हैदराबाद रियासत की जनता निजाम शासन से मुक्ति चाहती थी। वह भारतीय गणतंत्र का हिस्सा बनना चाहती थी। इसका कारण हैदराबाद के शासकों का समाज पर दमन और अत्याचार करना था। हैदराबाद रियासत में बहुमत तो हिन्दु परंपरा को मानने वालों का था लेकिन वहां कानून इस्लामिक शरीयत के अनुसार चलता था। यह कानून हैदराबाद में 1720 से ही लागू हो गया था। यह निजाम शाही के आरंभ होने का वर्ष था और जब 1798 में निजाम अंग्रेजों के आधीन हो गया तब भी आतंरिक शासन व्यवस्था में कोई अंतर न आया। हैदराबाद में धार्मिक सत्ता के अधिकारों का दुरुपयोग, बहुसं यक समाज का शोषण और उत्पीड़न का क्रम बना रहा । इसलिये हैदराबाद का बहुसं यक निजाम से मुक्ति चाहता था।

हैदराबाद के नबाब को ÷निजाम-उल-मुल्क÷ की उपाधि मुगल बादशाह ने दी थी जिससे हैदराबाद का हर नबाब निजाम कहलाया। रियासत का आधिकारिक धर्म ही इस्लामिक प्रावधानों के अनुसार नहीं था अपितु अधिकांश शासकीय पदों पर भर्ती भी मुस्लिम समाज के लोगों की जाती थी। शीर्ष पदों पर तो एक भी गैर मुस्लिम नहीं था। रियासत को अंग्रेजों ने अपने आधीन तो कर लिया था पर रियासत के अदरूनी व्यवस्था में कोई हस्तक्षेप नहीं किया था। इसका कारण यह था कि अंग्रेजों को शासन व्यवस्था में कोई रूचि न थी।

उनके केवल दो उद्देश्य थे। एक तो हैदराबाद रियासत से सालाना पैसा मिले और दूसरा आवश्यकता पड़ने पर निजाम उनकी सहायता के लिये अपने खर्चे पर सेना भेजे। निजाम इस काम को सहर्ष कर रहा था। अंग्रेजों को निजाम की जरूरत मराठों के विरुद्ध अभियान शुरु करने के लिये पड़ती थी। इसलिए उन्होने निजाम को कुछ विशेष अधिकार भी दे रखे थे।

निजाम के मन में मराठा शासन के प्रति कितनी कटुता थी इस बात का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब मराठों ने भोपाल में अभियान चलाया तो भोपाल नबाब की मदद करने के लिये निजाम की फौज भोपाल आई थी। यह अलग बात है कि भोपाल के युद्ध में इस संयुक्त फौज को भी पराजय का मुंह देखना पड़ा।

निजाम इससे पूर्व भी मराठों से पराजित हो चुका था इसलिये उसने अंग्रेजों से संधि कर ली थी। निजाम का सोच कितना सा प्रदायिक था इसका एक उदाहरण यह भी है कि हैदराबाद रियासत में मुस्लिम आबादी केवल 11व्व प्रतिशत थी लेकिन रियासत की तीस प्रतिशत भूमि पर मुसलमानों का अधिकार था। इसके साथ वहां हिन्दुओं को हथियार रखने का अधिकार न था जबकि मुस्लिम समाज के पास हथियारों का जखीरा रहता था।

हैदराबाद की इस विशिष्ट विचार और कार्य शैली कटुता और आक्रामकता 1921 के बाद और बढ़ी । यद्धपि रियासत के अधिकांश मुसलमान धर्मान्तरित थे उन्हे इसका आभास भी था लेकिन खिलाफत आँदोलन के बाद मुसलमानों में संगठन और आक्रामकता दोनों बढ़ी। अनेक स्थानों पर सा प्रदायिक दंगे भी हुये। इसमें तेजी 1927 के बाद और बढ़ी इस वर्ष रियासत में एक संस्था ÷मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन÷ का गठन हुआ। इसका नेतृत्व सैय्यद कासिम रिजवी के हाथ में था। इस संस्था ने सशस्त्र समूह बनाया इसे ÷रजाकारों का संगठन÷ कहा गया। इस संगठन ने 1946 के डायरे ट ऐ शन में बड़ी सक्रियता दिखाई और मुस्लिम समाज में अपनी पैठ और बढ़ा ली थी। इसके साथ जैसे जैसे स्वतंत्रता के क्षण समीप आ रहे थे यह संगठन और गहरी पकड़ बनाने लगा । 1946 के बाद निजाम इसी संगठन पर निर्भर हो गये थे।

जून 1947 से हैदराबाद निजाम ने स्वयं को स्वतंत्र रहने की तैयारी आरंभ कर दी थी।

15 अगस्त 1947 को निजाम ने स्वयं को स्वतंत्र होने की और कासिम रिजवी ने इसे इस्लामिक देश होने की घोषणा कर दी। इस घोषणा के साथ हैदराबाद रियासत में हिंसा की शुरुआत हो गयी। रजाकारों और रियासत की सेना मिलाकर यह सं या लगभग दो लाख थी जो हथियारों से युक्त थी अनेक स्थानों पर दमन लूटपाट, हत्या, बलात्कार और धर्मान्तरण का सिलसिला चल पड़ा। सैकड़ो हजारों परिवार सुरक्षित स्थानों की ओर भागे।

आरंभ में भारत सरकार कश्मीर पर पाकिस्तान का हमला विभाजन के साथ बढ़ती हिंसा और शरणार्थियों की समस्या से जूझ रही थी इस कारण हैदराबाद की ओर ध्यान कम गया। तभी 1948 के आरंभ में यह सूचना मिली कि हैदराबाद में पाकिस्तान से सशस्त्र सैनिक आ रहे हैं उन्हें बसाया जा रहा है और रियासत हथियारों की खरीद के लिये आस्ट्रेलिया और चेकोस्लोवाकिया से 30 लाख पाउंड के हथियार खरीदने के आर्डर दिया है। तब तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने निजाम से बातचीत की किंतु निजाम के रवैये में कोई अंतर न आया उल्टे रिजवी की रजाकारों की गतिविधियां और बढ़ी।

सरदार पटेल ने अंततः 9 सित बर 1948 को चेतावनी पत्र जारी किया, लेकिन निजाम न माना। 11 सित बर को हैदराबाद में सैन्य अभियान का निर्णय हुआ। इस अभियान को ÷आपरेशन पोलो÷ नाम दिया गया। 12 सित बर को सेना को कूच करने का आदेश दिया। 13 सित बर को सेना ने हैदराबाद आपरेशन आरंभ किया, 17 सित बर की शाम को निजाम ने समर्पण का प्रस्ताव दिया और 18 सित बर को विलीनीकरण दस्तावेज पर हस्ताक्षर हुये।

सेना को इस अभियान में कुल 108 घंटे लगे। इस 108 घंटे के अभियान में सेना के कुल 329 जवानों के प्राणों का बलिदान हुआ। दूसरी तरफ निजाम सेना के 807और 1647 अन्य लोगों की मौत हुई। जून 1947 से सित बर 1948 के बीच इस लगभग सवा साल की अवधि में 22 से 30 हजार तक लोग मारे गये और एक लाख से अधिक लोग बेघर हुये। इस हिंसा पर विराम भारत सरकार की सक्रियता के साथ लगी।

भारत सरकार ने कासिम रिजवी को गिर तार कर लिया और उसकी संस्था मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन यनि स्ढ्ढरूपर पाबंदी लगा दी। आगे कासिम रिजवी पाकिस्तान चला गया । वह इस संस्था की कमान अपने समय के मशहूर वकील अब्दुल वहाद औबेसी को सौंप गया था । वे इस समय के आक्रामक नेता औबेसुद्दीन औवेसी के पितामह थे।

हैदराबाद रियासत कि क्षेत्रफल लगभाग 82 हजार वर्ग मील थ । जो इंग्लैंड जैसे देश से भी अधिक है। तब इस रियासत की आबादी लगभग 1.6 करोड़ थी इसमें 85व्वहिन्दु, 11व्व मुसलमान और 4व्व अन्य थे। रियासत की वार्षिक आय लगभग 26 करोड़ वार्षिक थी । यह देश की दूसरी बड़ी रियासत मानी जाती थी।

हैदराबाद के भारतीय गणतंत्र में विलीन होने के बाद भारत सरकार इन सारी घटनाओं की जाँच के लिये ÷सुन्दर लाल समिति÷ भी बनाई लेकिन राजनैतिक कारणों से यह रिपोर्ट सामने न आ सकी। इसे सार्वजनिक करने से रोक दिया गया था । इसके कुछ अश 2014 में ही सामने आ सके । हैदराबाद के विलीनीकरण के बाद भी किसी के पास इस प्रश्न का उत्तर न था उन निहत्थे सामान्य लोगों ने किसका ` या बिगाड़ना था जिन्हें हैदराबाद के आक्रामक जुनीनी लोगों ने लूटा, सब कुछ छीना, महिलाओं से बलात्कार किया और कुछ को मौत के घाट उतार दिया।

10वें विज्ञान मेले में एम.पी. ट्रांसको के स्टाल को मिला द्वितीय पुरूस्कार

भोपाल । भोपाल के बी.एच.ई.एल. स्थित दशहरा मैदान में आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में आकर्षण का केन्द्र बने एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के विविध जानकारियों से भरपूर स्टाल को सरकारी क्षेत्र के स्टॉल की श्रेणी में द्वितीय पुरूस्कार प्राप्त हुआ है। एम.पी. ट्रांसको की ओर से अधीक्षण अभियंता श्री एस के दुबे, श्री राजेश शांडिल्य, श्री डी.एस. बिसेन, श्री आर.सी. शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री अतुल नाबर, श्री ए.के. श्रीवास्तव, सहायक अभियंता श्री आशीष जैन ने भोपाल में इस राज्य स्तरीय विज्ञान मेले के समापन अवसर पर यह पुरस्कार प्राप्त किया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्यु न सिंह तोमर ने एमपी ट्रांसको को विज्ञान मेले में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त होने पर बधाई दी है।

मेले में भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं विशेषकर इंजीनियरिंग विद्यार्थियों ने विशेष उत्साह दिखाया। एम.पी. ट्रांसको के अधिकारियों ने उन्हें संबंधित तकनीकी जानकारी के साथ मध्यप्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क और कार्यशैली के बारे में बताया।

एम.पी. ट्रांसको ने ट्रांसमिशन लाइनों के मॉडल के साथ गैस इंसूलेटेड सबस्टेशन, ऑप्टिकल फाइबर केबल्स, वर्किंग मॉडल ऑफ़ ऑप्टिकल फाइबर, ऑनलाइन स्काडा, ऑनलाइन कैमरा डिस्प्ले आफ जी आई एस सबस्टेशन, फॉल्ट लोकेटर, परंपरागत एयर इंसुलेटेड सबस्टेशन के साथ मल्टी सर्किट ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न उपकरणों को मेले में मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। इसके अलावा विभिन्न ग्राफि स, पोस्टर आदि के माध्यम से एम.पी. ट्रांसको की उपलब्धियों और विविध जानकारियों को भी प्रदर्शित किया गया।

एकात्म धाम का शंकर संग्रहालय होगा प्रमुख आकर्षण का केंद्र

भोपाल । सनातन धर्म के पुनरुद्धारक, सांस्कृतिक एकता के देवदूत और अद्वैत वेदांत दर्शन के प्रखर प्रवक्ता %आचार्य शंकर% के जीवन एवं दर्शन को समर्पित ÷एकात्म धाम÷ का निर्माण ओंकारेश्वर, खंडवा में किया जा रहा है। आचार्य शंकर के दर्शन के लोकव्यापीकरण के उद्देश्य से ओंकारेश्वर को अद्वैत वेदांत के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। अद्वैत लोक के शंकर संग्रहालय में अद्वैत वेदांत दर्शन के विभिन्न मूल्यों से परिचय कराने के लिये नवीन तकनीकी आधारित प्रकल्प विकसित किए गए हैं। शंकर संग्रहालय, एकात्म धाम का प्रमुख आकर्षण का केंद्र होगा।

शंकर संग्रहालय में 500 लोगों की बैठक व्यवस्था वाला हाई स्क्रीन थिएटर होगा। जिसमें आचार्य शंकर के जीवन और दर्शन पर आधारित फीचर फिल्म ÷शंकर÷ का प्रदर्शन होगा। संग्रहालय में वेदांत व्या या के लिए ÷सृष्टि÷ गैलरी विकसित की जाएगी। संग्रहालय के श्री यंत्र प्रांगण में प्रत्येक दिवस लेजर, लाइट, वाटर एंड साउंड शो का प्रदर्शन किया जाएगा। 3ष्ठ होलोग्राम और अन्य आधुनिक तकनीकी के माध्यम से ब्रह्मा, सृष्टि, माया, जीव एवं जगत आदि सिद्धांतों को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। शो के दौरान प्रतिमा, पेडेस्टल, हंसद्वार, श्री यंत्र, ओम स्तंभ और शिखर पर प्रोजे शन मेपिंग भी की जाएगी। संग्रहालय के विशेष कक्ष में डायोरामा के माध्यम से आचार्य शंकर के जीवन पर आधारित 5 से 7 मिनट की दृश्यवलियाँ प्रस्तुत की जायेंगी।

निदिध्यासन केंद्र और नर्मदा विहार

ध्यान के केंद्र के रूप में शंकर संग्रहालय में निदिध्यासन केंद्र स्थापित किया जाएगा। 300 व्यक्तियों की क्षमता वाले इस केंद्र का मु य विचार बिंदु अहम् ब्रह्मास्मि रहेगा।

इस केंद्र की मु य गतिविधियाँ ध्यान, श्रवण, मनन और निदिध्यासन आदि के विचार पद्धति पर आधारित होगी। पर्यटकों के विशेष आकर्षण के रूप में शंकर संग्रहालय के निचले तल पर नर्मदा विहार निर्मित किया जाएगा। इसमें स्वचालित नौकाओं के माध्यम से पर्यटक नौका विहार कर सकेंगे।

कला वीथिका और शंकर स्त भ

आचार्य शंकर के जीवन, दर्शन तथा रचनाओं पर आधारित विभिन्न शैलियों यथा केरल यूरल, पट्टचित्र, कांगड़ा, मधुबनी, समकालीन विभिन्न शैलियों में देश के वि यात चित्रकारों से चित्र बनवाये जा रहे हैं, जिनका प्रदर्शन कला वीथिका में किया जाएगा। एकात्मता की मूर्ति के नीचे मु य भवन में विशाल शंकर स्त भ होगा। शंकर स्त भ 45 फीट ऊँचा और इसका व्यास लगभग 100 फीट होगा। शंकर स्तंभ पर आदि शंकराचार्य के जीवन की 32 घटनाओं को प्रदर्शित किया जायेगा।

अन्नपूर्णा भोजनालय

अन्नपूर्णा भोजनालय, संग्रहालय के पूर्व में स्थित होगा, जिसमें 300 से 500 लोगों की बैठक व्यवस्था भवन के भीतर तथा 700-1000 लोगों के लिए बैठक व्यवस्था बाहर होगी। बैठक व्यवस्था पार परिक एवं आधुनिक दोनों शैली में होगी। अन्नपूर्णा में पधारने वाले सभी आगंतुकों के लिए विशेष व्यंजन ÷अद्वैतभोग÷ की भी व्यवस्था होगी जो सभी के लिये उचित दाम पर उपलब्ध होगा। मध्यप्रदेश के मु य व्यंजनों के साथ भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विशेष व्यंजन भी उपलब्ध होंगे।

अद्वैत कलाग्राम और पंचायतन मन्दिर

मध्यप्रदेश एवं भारतवर्ष की समस्त लोक एवं क्षेत्रीय शिल्पों के प्रदर्शन और विक्रय के लिए अद्वैत कलाग्राम विकसित किया जा रहा है। कलाग्राम में दुकानों की वास्तुशैली पार परिक मन्दिर वास्तुशिल्प आधारित होगी। परिसर के बीच खुले स्थान पर कलाकारों द्वारा शिल्प कलाओं का लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया जाएगा। आचार्य शंकर द्वारा पुनर्स्थापित पंचायतन पूजा पद्धति पर पंचायतन मन्दिर का निर्माण हो रहा है। मंदिर का निर्माण नागर शैली पर स पूर्णतः पत्थर से किया जाएगा। यहाँ पर नित्य पूजा अभिषेक होंगे तथा भक्त भी पूजा अभिषेक कर पायेंगे। बच्चों के विद्यार भ, उपनयन इत्यादि संस्कार के लिये व्यवस्था होगी।

मु यमंत्री चौहान 26 सित बर को महिला समूहों को वितरित करेंगे स्कूटी

भोपाल के ज बूरी मैदान में होगा महिला स्व-सहायता समूहों का स मेलन

1400 स्कूटी होंगी वितरित

भोपाल मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 26 सित बर को भोपाल के ज बूरी मैदान में महिला स्व-सहायता समूहों के स मेलन में समूहों को 1400 स्कूटी वितरित करेंगे। भोपाल के आस-पास के 5 जिलों के संकुल स्तरीय संगठनों को 50 स्कूटी राज्य स्तरीय स मेलन और सतना, बालाघाट, सागर, छिंदवाड़ा और शिवपुरी जिलों के सीएलएफ को ऑनलाइन स्कूटी वितरित की जाएंगी। मु यमंत्री श्री चौहान महिला हितग्राहियों को बैंक ऋण के चेक भी प्रदान करेंगे। स मेलन में महिला स्व-सहायता समूह के लगभग 50 हजार सदस्य भाग लेंगे। मु यमंत्री ने समत्व भवन में हुई बैठक में आयोजन की तैयारियों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

प्रदेश की महिलाओं की उद्यमशीलता का संदेश पूरे देश में जाना चाहिए

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित गतिविधियों से कई दीदियाँ लखपति बनी हैं। यह दीदियाँ अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हो सकती हैं। लखपति दीदियों को अपने अनुभव लोगों को बताने तथा अपने आस-पास की महिलाओं का मार्गदर्शन करने के लिए उचित मंच प्रदान करना आवश्यक है। इससे महिलाओं को जीवन में कुछ करने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा बनाई गई सामग्री को लोगों के सामने लाने और उसकी बेहतर मार्केटिंग के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। प्रदेश की महिलाओं की उद्यमशीलता का संदेश पूरे देश में जाना चाहिए। बैठक में अपर मु य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मलय श्रीवास्तव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

चीतों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ

भोपाल ।आज दो नर चीतों वायु और अग्नि का स्वास्थ्य परीक्षण पूरा किया गया। इसके बाद उन्हें सा ट रिलीज बोमा में छोड़ा गया। वर्तमान में दोनों चीते स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य परीक्षण के लिये दोनों चीतों को 27 जून को क्वारेंटाइन बोमा में रखा गया था। इन दोनों चीतों को सा ट रिलीज बोमा में छोड़ने का कार्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कूनों में पदस्थ वन्य प्राणी चिकित्सकों की टीम द्वरा सफलतापूर्वक किया गया।

वीरांगना रानी दुर्गावती की स्मृति में बनेगा 100 करोड़ रूपये की लागत का भव्य स्मारक

भोपाल। मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आगामी 5 अे टूबर को रानी दुर्गावती के 500 वें जन्मदिवस पर मदन महल की जमीन पर 100 करोड़ रूपये की लागत से भव्य स्मारक का भूमि-पूजन किया जायेगा। यह भव्य स्मारक रानी दुर्गावती के शौर्य, वीरता, सेवा, सुशासन एवं गौरव का प्रतीक होगा तथा युगों-युगों तक रानी की स्मृति को जीवन्त रखेगा।

मु यमंत्री ने अपने जबलपुर प्रवास के दौरान वेटनरी ग्राउंड में आयोजित 1857 की क्रान्ति के जनजातीय नायक राजा शंकरशाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मु यमंत्री श्री चौहान का स्वागत जनजातीय संस?कृति के प्रतीक वीरा और साफा पहनाकर किया गया।

मु यमंत्री कहा कि अमर क्रांतिकारी राजा शंकरशाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों की गुलामी को स्वीकार नहीं किया और उनके खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंका। उनके इसी शौर्य एवं पराक्रम से भयभीत होकर अंग्रेजों ने उन?हें तोप के मुंह के सामने रखकर उड़ा दिया। राजा शंकरशाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदानों को भुलाया नहीं जा सकता। ये वीर सदैव हमारे लिये प्रेरणा का स्त्रोत रहेंगे।

मु यमंत्री ने कहा कि जनजातीय नायकों के बलिदानों को स्मरण करने के लिये प्रतिवर्ष प्रदेश शासन द्वारा 18 सित बर को शहीद दिवस का आयोजन किया जा रहा है। उन्होनें बताया कि पूर्व वर्ष में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के आतिथ्य में जबलपुर में ही आयोजित हुये शहीद दिवस कार्यक्रम में गरीब आदिवासी वर्ग के लिये की गई सभी 14 घोषणायें पूर्ण कर ली गई है। इन घोषणाओं के पूर्ण हो जाने से प्रदेश के आदिवासी भाई-बहन समाज के मु य धारा से जुड़ रहे है तथा इनका सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है।

मु यमंत्री ने गोंड साम्राज्य की शासिका वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य गाथा का उल्लेख करते हुये बताया कि रानी दुर्गावती ने अपने शौर्य और सामर्थ्य से एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की थी, जिसमें मदन-महल, गढ़ा मंडला, सिंग्रामपुर शामिल है। उन्होनें मुगल शासक अकबर से भी वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहूति दी, पर मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं की।

पेसा अधिनियम से आदिवासियों को मिला जल, जंगल, जमीन पर अधिकार

मु यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आदिवासी बंधुओं के कल्याण के लिये प्रदेश सरकार ने विभिन्न योजनायें संचालित की हैं। सरकार ने पेसा अधिनियम लागू कर प्रदेश के 89 जनजातीय विकासखंडों में जनजातियों को जल, जंगल, जमीन पर सशे त अधिकार दिये हैं। इन विकासखंडों में जनजातीय भाई-बहनों ने तेंदूपत्ता संग्रहण में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनकी आर्थिक स्थति सुदृढ़ हुई है। सरकार की प्राथमिकता है कि संसाधनों पर सभी का समान रूप से अधिकार हो। अब सरकारी स्कूलों के बच्चे भी मेडिकल की पढ़ाई कर सके इसलिये सरकार द्वारा पांच प्रतिशत सीटें सरकारी स्कूल के बच्चों के लिये आरक्षित की गई है। उन्होनें बताया कि बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिये 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों को लेपटॉप, शासकीय स्कूलों से प्रथम श्रेणी के साथ बारहवीं कक्षा में टॉप करने वाले बच्चों को स्कूटी दी गई है।

मु यमंत्री लाड़ली बहना योजना प्रारंभ कर प्रदेश की महिलाओं को मान स ?मान देने का कार्य भी प्रदेश सरकार द्वारा किया गया है। अब मु यमंत्री लाडली बहना आवास योजना के माध्यम से कच्चे आवास में रहने वाली लाडली बहना को पे के आवास बनाने के लिये राशि प्रदान की जायेगी। इसके फार्म भरना प्रारंभ हो चुके हैं। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की हितग्राही एवं लाडली बहना को अब 450 रूपये की रियायती दरों में रसोई गैस सिलेंडर दिये जायेंगे। उन्होनें बताया कि प्रदेश के गरीब परिवारों के 1 किलोवाट तक के बकाया बिजली बिल सरकार द्वारा भरा जायेगा। राजा शंकरशाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के आदर्श को अपनाकर प्रदेश में जनता की जिंदगी बदलने का अभियान लगातार चलता रहेगा।

इस कार्यक्रम में विधायक अशोक रोहाणी, श्री अजय विश्नोई, श्री सुशील इंदु तिवारी, श्रीमती नंदिनी मरावी, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार, पूर्व विधायक श्री अंचल सोनकर, श्री शरद जैन, पूर्व महापौर स्वाति सदानंद गोडबोले सहित बड़ी तादाद में जन समूह मौजूद रहा

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष वरकड़े ने दिया। विधायक अशोक रोहाणी ने आभार प्रदर्शन द्वारा किया गया।

प्रदेश के बाँधों और जलाशयों में सामान्य जल-भराव की स्थिति - जल-संसाधन मंत्री

भोपाल । जल-संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया है कि विगत वर्ष की तुलना में प्रदेश के बाँधों और जलाशयों में जल-भराव की स्थिति सामान्य है एवं पूर्व वर्ष के लगभग बराबर है। प्रदेश में इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की स्थिति थी, परंतु पिछले कुछ दिनों में निरंतर बारिश के उपरांत स्थिति सामान्य हो गई है। प्रदेश में इस वर्षा ऋतु में आज दिनांक तक 903.20 मि. मी. वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष यह 909.80 मि. मी थी। मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गत दिनों उज्जैन में बाबा श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर उनसे प्रदेश की तरक्की और खुशहाली की प्रार्थना की थी।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश के 52 प्रमुख बाँधों और जलाशयों में से 6 में शत-प्रतिशत, 29 में 75 से 100 प्रतिशत, 10 में 50 से 75 प्रतिशत तथा 7 में 50 प्रतिशत से कम जल-भराव हुआ है। बरगी, बारना, बिलगाँव, देजला, इंदिरा सागर, तवा, गाँधी सागर, टिह्लर, बान सुजारा, पगरा, राजघाट, आवदा, कोटवाल, पेंच, थनवार, संजय सरोवर, धोलावड़, माही, पारसदोह बाँध/जलाशयों में 90 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक जल-भराव हो चुका है। बारह बाँधों बरगी (3 गेट), इंदिरा सागर (20), ओंकारेश्वर (22), गाँधी सागर (10), बान सुजारा (01), पगरा (01), पवई (01), पेंच (02), धोलावड़ (02), माही मेजर (02) और माही सब्सिडरी (01) और पारसदोह (01 गेट) के गेट खोले गये हैं।

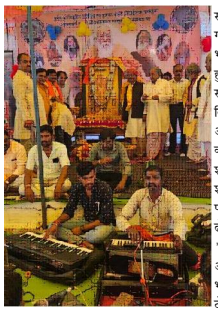

गुरुधाम दिघौरी में गुरुरत्न शंकराचार्य महाराज श्री का जन्म शताब्दी महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

सिवनी यशोः- निर्धारित कार्यक्रम अनुसार आज गुरुदेव की प्राकट्य भूमि गुरुधाम दिघोरी में, *अनंत श्री विभूषित जगतगुरु शंकराचार्य ब्रह्मलीन स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज* का जन्म- शताब्दी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया!

इस दिव्य और भव्य आयोजन में, जिले भर से हजारों शिष्य गण, सामाजिक ,राजनीतिक गणमान्य जन, श्रद्धालु भक्त नर- नारी उपस्थित हुए ! गुरु रत्नेश्वर सेवा समिति, गुरुधाम दिघौरी के तत्वाधान में आयोजित, इस कार्यक्रम में भव्य शोभायात्रा निकाली गई! शोभा- यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में ढोल बाजे के साथ *मनमोहक अहीरी , आदिवासी,नृत्य* करते भक्तों यदुवंशियों की टोलीयां आकर्षण का केंद्र रहीं! शोभायात्रा के साथ महाराज श्री के भक्तों ने देघोरी ग्राम की गलियों में, *जहां पूज्य गुरुवर ने बाल्यकाल में बाल लीला किया था, भ्रमण किया! शोभायात्रा का समापन दिव्य गुरु रत्नेश्वर मंदिर प्रांगण में हुआ ! मंदिर प्रांगण में सामूहिक रूप से विधि-विधान पूर्वक महाराज श्री के चरण पादुका का पूजन किया गया !उपस्थित श्रद्धालु नर नारियों ने महाराज श्री के श्री चरणों में माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित किया !क्षेत्रीय भजन मंडल द्वारा महाराज श्री के प्रिय भजनो की संगीतमय मनमोहक प्रस्तुति दी गयी! पादुका पूजन के पश्चात महाप्रसाद का वितरण तथा भोजन प्रसादी के विशाल भंडारे में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया! महाराज श्री की प्राकट्य भूमि में आयोजित इस दिव्या भव्य कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं तथा आयोजक मंदिर समिति के सदस्यों की प्रसन्नता और उत्साह अनुपम तथा शब्दों में अवर्णनीय है, जो कार्यक्रम के फोटो चित्रों में दृष्टतव्य है! इस अवसर पर *जिला ब्राह्मण समाज सिवनी* की ओर से गुरुधाम पहुंचे प्रतिनिधि मंडल द्वारा पादुका पूजन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए! ब्राह्मण समाज प्रतिनिधि मंडल ने महाराज श्री के सद् संकल्पो का उदघोष करते हुए ,*समस्त श्रद्धालुओं को महाराज श्री के जन्मोत्सव , हरित्तालिका व्रत (तीजा)की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं* प्रकाशित किया है!

तीन दिन पहले अतिवृष्टि से मकान की छत गिरी, नहीं हुई कोई प्रशासनिक कार्यवाही

पटवारी हड़ताल के चलते नही हुआ सर्वे

छपारा यशोः- विगत दिनों देर रात हुई आफत की बारिश ने कई लोगों को मुश्किल में डाल दिया है जिसके कारण लोग अभी भी उससे उबर नहीं पाए हैं। बताया जाता है कि नगर के वार्ड नं 8 अब्दुल कलाम वार्ड में एक मकान भी इसी बारिश के जद में आकर एक तरफ से गिर गया।

मकान की छप्पर भर-भराकर गिर गई गनीमत यह रही कि उस परिवार के छः सदस्यों को कोई चोट नहीं आई परन्तु घर के अंदर रखा गृहस्थी का सामान क्षतिग्रस्त हो गया जिसकी सूचना स्थानीय प्रशासन से लेकर तहसील कार्यालय में भी दी गई किंतु प्रशासन की ओर से कोई भी अधिकारी नहीं पहुंचा। वही तहसील कार्यालय से जानकारी मिली कि पटवारी संघ की हड़ताल के चलते सर्वे नही हो पा रहा है। किंतु ऐसी स्थिति में प्रशासन को वैकल्पिक व्यवस्था बनाना चाहिए जिससे हितग्राहियों की समस्या दूर हो सके।

वही नगर के पिंजारी मोहल्ले निवासी अब्दुल कलाम अंसारी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि 15 सितंबर को देर रात हुई बारिश से घर की छप्पर अचानक गिर गई गनीमत रही कि परिवार के किसी सदस्यों को कोई चोटें नहीं आई किंतु छप्पर के साथ एक तरफ की दीवार गिरने से घर के अंदर रखा समान जैसे आलमारी,कुर्सी,कपड़े और खाने पीने का सामान खराब हो गया परिवार के सदस्यों ने बताया कि वह पिछले तीन दिनों से अपने रिश्तेदार के घर में रहने को मजबूर हैं वहीं प्रशासन की ओर से अभी तक कोई भी मौके पर नहीं पहुंचा है।

मकान गिर गया गरीब का अभी तक नहीं किया निरीक्षण

वही इसी तरह की दूसरी घटना में ग्राम पंचायत माहुलपानी के ग्राम दल्ली टोला निवासी गरीब किसान कमल सिंह पिता मन्नू लाल उईके का भी 15 सितंबर को अतिवृष्टि से रात में आए तूफान से घर ढह गया उसकी जानकारी किसान के माध्यम से पटवारी को दी गई थी किंतु हड़ताल के चलते अभी तक किसान के यहां कोई नहीं पहुंचे द्य

वही जनपद पंचायत अध्यक्ष सदम सिंह बरकड़े को जब जानकारी लगी तो वह भी मौके पर जाकर पीड़ित परिवार से मिले और उनको प्रशासनिक स्तर पर जो भी सहायता बनेगी उसका आश्वासन दिया और परिवार को ढाढस बंधाया ।

वही किसान जिसका मकान ढहा उसने अधिकारियों के साथ-साथ जनपद अध्यक्ष को भी इस घटना की जानकारी फोन करके दी घटना स्थल पर अध्यक्ष तो मौके पर पहुंचे किंतु तब तक भी कोई कर्मचारी अधिकारी निरीक्षण करने नहीं पहुंचा तब जनपद अध्यक्ष ने फोन पर छपारा तहसीलदार को भी अवगत कराया गया। वही जनपद अध्यक्ष सहित ग्रामीण ने प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है मकान का सर्वे करा कर उक्त गरीब की सहायता करने का कष्ट करें।

रोजगार दिवस कार्यक्रम अब 22 को होगा

सिवनी यशोः- महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सिवनी द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार 20 सित बर को जनपद पंचायत सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से आयोजित होने वाला एक दिवसीय जिलास्तरीय स्वरोजगार /रोजगार दिवस कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है। उक्त कार्यक्रम अब शुक्रवार 22 सित बर को यथा स्थान एवं समय में आयोजित होगा।

आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों द्वारा शासन के संबधित विभागों की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के स्वीकृति पत्र एवं हितलाभ लाभार्थियों को वितरित किए जाएंगे साथ ही जिले में स्थापित एमएमएमई इकाईयों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। योजनाओं के स्वीकृति पत्र एवं हितलाभ लाभार्थियों को वितरित किए जाएंगे साथ ही जिले में स्थापित एमएमएमई इकाईयों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा।

फायर एनओसी के प्रकरणों पर कार्यवाही के निर्देश

सिवनी यशोः- कले टर क्षितिज सिंघल द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अनुविभागीय अधिकारियों, समस्त कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा सभी निर्माण विभाग के अधिकारियों से फायर एनओसी के आवेदनों के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई। उक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में फायर एनओसी विशेषज्ञ कुशाग्र द्वारा सभी अधिकारियों निजी प्रतिष्ठानों में फायर एनओसी प्रदान करने के लिए आवश्यक दस्तावेज तथा संबंधित परिसर में की जाने वाली आवश्यक भौतिक संरचना एवं व्यवस्थाओं संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कले टर श्री सिंघल द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को एनओसी के लिए लंबित आवेदनों पर दिशानिर्देशानुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में मनाया गया बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ हरियाली तीज

सिवनी यशोः-हम बड़े ही भाग्यशाली हैं ,जो हमारा जन्म भारत में हुआ, हमारी संस्कृति ऐसी है जहां प्रतिदिन कोई ना कोई त्यौहार आते हैं, यह त्यौहार हमें जीवन जीने की कला सीखा कर जाते हैं ,इसी में से एक है हरियाली तीज का त्योहार, जो हमारा परिवार का माहौल सदा सुखमय आनंदमय बना रहे उसकी साधना सीखाता है ,लेकिन इस त्यौहार को भारतवासी दो प्रकार से मनाते हैं, एक वे हैं, जो माता पार्वती के कठोर साधनामय जीवन को याद कर उनकी महानता को याद कर माता पार्वती और शिवजी की पूजा करते हैं ,और दूसरे वे हैं, जो माता पार्वती की तरह स्वयं भी त्याग तपस्या करते हैं ,जैसे माता पार्वती भगवान शिव की याद में खोई रहती थी ,ऐसे ही इस संसार में रहते हुए कर्म करते हुए निरंतर परमात्मा शिव के याद में स्वयं को मगन रखते हैं ,पार्वती जी की महानता का गुणगान करना यह भी ठीक है ,लेकिन यदि माता पार्वती की तरह हम भी अपने जीवन में त्याग और तपस्या को स्थान देते हैं ,तो यह सत्य है वह दिन दूर नहीं जो हमारी संताने गणेश जी की तरह बुद्धिमान होगी और रिद्धि सिद्धि शुभ लाभ तुष्टि पुष्टि आनंद प्रमोद से हमारा घर परिवार समृद्ध हो जाएगा । आवश्यकता है माता पार्वती की तरह हम इस जगत के नियंता ब्रह्मांड के मालिक भगवान शिव जो देवों के भी देव है, उन्हें अपना बनाने का प्रयत्न करें जब जगत का मालिक हमारा हो जाता है, तो इस ब्रह्मांड की सारी श्रेष्ठ चीज पर हमारा अधिकार हो जाता है, हमारे घर में सुख शांति समृद्धि आती है ,वहां बताया गया कि जैसे हरियाली तीज के दिन हम सभी सुबह से लेकर 24 घंटे तक निरंतर भगवान शिव का ध्यान भजन साधना मंगल गीत नृत्य में डूबे रहते हैं ऐसे ही प्रतिदिन सुबह उठने से लेकर सोने तक हर करम में हम परमात्मा शिव का ध्यान निरंतर करते रहे तो प्रतिदिन हमारे लिए तीजा हो सकता है, उक्त उद्गार ब्रह्मा कुमारी संस्थान की प्रमुख ब्रह्माकुमारी ज्योति दीदी एवं ब्रह्माकुमारी गीता दीदी ने सभी के समक्ष प्रकट किया ,साथ ही साथ ध्यान साधना भी कराया गया ,परमात्मा शिव को अपनी बुराइयां भी अर्पण कर जीवन में कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प भी सभी महिलाओं ने किया ,और अंत में भगवान शिव के ध्यान में मगन होकर सभी महिलाओं ने मंगल रास भी किया।

कांग्रेस की चमारी ब्लाक कमेटी घोषित

सिवनी यशोः- मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष (पूर्व मु यमंत्री) कमलनाथ के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना एवं जिला प्रभारी चैधरी गंभीर सिंह की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा अनुमोदित ब्लाक कांग्रेस कमेटी चमारी की ब्लाक कार्यकारिणी की सूची ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष देवलसिंह ठाकुर द्वारा सूची घोषित की गई जो इस प्रकार है। उपाध्यक्ष, नेमसिंह इनवाती सर्रा, मिर्जा अफरोज बेग भरगा, शिवकुमार इनवाती खमरिया, सोमनाथ भलावी जुबान खमरिया, सतीष चैकसे केकड़ा, स्वरूपचंद उइके उटेकटा, दिनेश अहाके तेंदनीटोला, कमलेश ठाकुर चमारीकलां, बलवंत ठाकुर कमली, रामदीन परते जोगीवाड़ा, शेख गफूर भरगा कोषाध्यक्ष-संतोष अवधिया घुनई महामंत्री - राजेश शर्मा नांदियाखुर्द, राजू पटेल लुड़गी, टीकाराम कुर्चे ढोडा, जयकुमार श्रीवास्तव लाटगांव, सतेन्द्र भलावी चमारीखुर्द, संतोष अवस्थी देवरीकलां, रोहित ठाकुर डांगावानी, शैलेन्द्र भलावी मड़वा, कौशल डेहरिया सालीवाड़ा, झनक नांदियाकला प्रवक्ता- अलोक श्रीवास्तव माहुलपानी संगठनसचिव सर्वश्री तारासिंह तेंदनी, अनवर खान नारायणटोला, पूजा यादव तेंदनी, संदीप ठाकुर तेंदनी, सीताराम धुर्वे इमलिया, भीपत ठाकुर तेंदनी, प्रदीप ठाकुर बे सी, कन्हैया भलावी सिरकापार, आसिफ खान बड़पानी, प्रहलाद ठाकुर डांगावानी, प्रेमलाल यादव इमलिया सचिव- विमलेश ठाकुर तेंदनी, बखत सिंह सूखामाल, गोलू ठाकुर बड़पानी, ललनसिंह ठाकुर चमारीखुर्द, योगेश परते भेड़की, मिथलेश बे सी, देवेन्द्र धुर्वे कचनरा, कमलेश सिंह मंड़वा, डिल्लीसिंह मानोगढ़, बुधमान सिंह तेंदनीटोला, अमजद खान बड़पानी कार्यकारणी सदस्य-परमसुख चिखली, ठा0 अभिषेक कमली, पन्नालाल इनवाती सर्रा, डेबिट कुमार उइके तिलेपानी, सतेन्द्र उइके घुंघसा, अजबसिंह बड़पानी, शाहिब कमली, अजय साहू नांदिया, मनोज ठाकुर चमारीखुर्द, जितेन्द्र भारती अंधियारी, कैलाश मानेश्वर लुड़गी, स्थायी आमंत्रित सदस्य सर्वश्री गजराजसिंह ठाकुर चमारीखुर्द, रंगलाल धुर्वे कचनरा, गनी पटेल दरबई, कुंज बिहारी गोरखपुर, रासिद पटेल खटकर, अनीस पटेल साल्हेगढ़, ढब्बूसिंह ठाकुर तेंदनी, नारायणसिंह ठाकुर बड़पानी, दशरथसिंह ठाकुर ग्राम तेंदनी का समावेश है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने चमारी ब्लाक के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए शुभकामनाएँ प्रेषित कर आशा व्यक्त की है कि आप सभी अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आदरणीय मल्लिकार्जुन खड़गे जी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष (पूर्व मु यमंत्री) जननायक कमलनाथ जी की मंशानुसार कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पंहुचाने में अपने दायित्वों के अनुरूप कार्य कर आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को विजयी बनाने के लिए अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वाहन करेंगे।

बादलपार में शंकर शाह रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस मनाया गया

बदलपार यशोः-हमारे देश को स्वतंत्र करने के लिए अनेक वीरों ने अपना बलिदान दिया है तब जाकर हमारे देश को 1947 में आजादी मिली है इस क्रम में स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम लड़ाई 1857 में लड़ी गई थी जिसमें महाकौशल क्षेत्र के गढ़ मंडला के राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान, देश बहुत स मान से याद रखेगा ज्ञात हो कि 18 सितंबर 1857 में मंडला के समीप वर्तमान पुरवा गांव से आदिवासी राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह को अंग्रेज शासको ने गिर तार कर उन्हें जबलपुर मिलकर जेल में बंद कर दिया उन पर मुकदमा जलाया गया और उनको तोप से उड़ाने की सजा

दे दी तथा क्षमा मांगने एवं अंग्रेजी शासन को मान्य करने पर उन्हें छोड़ देने की पेशकश की परंतु दोनों क्रांतिकारियों ने इसे मानने से इनकार कर दिया फलस्वरुप जबलपुर में एल्गिन अस्पताल के सामने स्थित बड़े मैदान में हजारों लोगों की उपस्थिति में उन्हें तोप के मुंह में बांधकर उड़ा दिया गया जिससे उनके जिश्म के टुकड़े-टुकड़े यहां वहां बिखर गए जिसको उनकी रानी फूल कंवर ने एकत्रित करके अंतिम संस्कार आम जनता के साथ में कर दिया तभी से उनकी याद में राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह का शहादत दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है और शासन के हर जुल्म के हर अन्याय के खिलाफ लड़कर आम जनता को अन्याय और अत्याचार से मुक्त करने का प्रण लिया जाता है।

इसी क्रम में कुरई ब्लॉक के बादलपार क्षेत्र के ग्राम चिखला में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शंकर शाह रघुनाथ शाह का 167 व बलिदान दिवस ग्राम निवारि एवं चिकला के ग्रामीणों के साथ में डॉ टर बी सी यू के अध्यक्षता में मनाया गया जिसे ओम प्रकाश बोर्ड किरण प्रकाश और डीडी वासनिक ने संबोधित किया कार्यक्रम का प्रारंभ राहुल कुमार उनके साथियों के साथ प्रस्तुत जान गीतों से हुआ कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के तत्वाधान में किया गया जिसे धर्मेंद्र टीकम भूलन सिंह इनवाती महादेव डेहरिया संतोष डेहरिया शीलो बाई भलावी एडवोकेट विकास वासनिक शिवकली बाई सैयाम अंजलि परते लक्ष्मी बाई डेहरिया हरिराम कोरचे धनीराम डेहरिया बाबू दास वासनिक शिववती बाई आदि की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही सभी आने वाले वर्ष में बड़े पैमाने पर शहादत दिवस मनाने और अन्य अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करने का निर्णय लिया।

जनसुनवाई में प्राप्त हुए 54 आवेदन

सिवनी यशोः- शासन के निर्देशानुसार प्रति मंगलवार को कले ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित होने वाली जिलास्तरीय जनसुनवाई कले टर श्री क्षितिज सिंघल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जनसुनवाई में अपर कले टर श्री सीएल चनाप सहित सभी विभाग प्रमुखों की उपस्थिति रही।

जनसुनवाई में आज ग्राम उमरिया कान्हीवाड़ा निवासी इलयासुर रहमान द्वारा निश्शक्तजन विवाह प्रोत्साहन राशि प्रदाय किए जाने विषयक, सेवा निवृत्त राजेन्द्र सिरसाम द्वारा अर्जित अवकाश समर्पण नगदीकरण राशि का मूल आदेश की प्रति दिलाए जाने विषयक, ग्राम धनककड़ी निवासी मोहनलाल द्वारा भूमि का पट्टा प्रदाय किए जाने विषयक, ग्राम भीमपाठा निवासी अशोक नायक द्वारा मनरेगा अंतर्गत ग्राम में हुए कार्य में अनियमित्ता की जांच कराने विषयक, ग्राम बिरहोली बरघाट निवासी पूरना बाई द्वारा प्रधानमंत्री एवं मु यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ दिलाए जाने विषयक, ग्राम मुण्डापार निवासी अढ़नसिंह बिसेन द्वारा बिजली कने शन प्रदाय किए जाने विषयक, चूनाभट्टी निवासी दुर्गेश्वरी सहारे द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने विषयक, ग्राम पायली निवासी शेख जमील द्वारा ओला वृष्टि से हुई फसल नुकसानी का मुआवजा दिलाने विषयक, कान्हीवाड़ा निवासी मो नाहिद खान द्वारा गरीबी रेखा सूची में नाम जोड़ने विषयक सहित कुल 54 आवेदन जनसुवाई में प्राप्त हुए। जिनके नियमानुसार शीघ्र निराकरण करने के निर्देश कले टर श्री सिंघल ने संबंधित विभागाधिकारियों को दिए।

खेलो यूथ गे स की मशाल पहुँची सागर

खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया ने रविवार को हरी झण्डी दिखाकर किया था भोपाल से रवाना

भोपाल । मध्यप्रदेश में खेलो एमपी यूथ गे स की शुरूआत ब्लॉक स्तर पर हो गई है। मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को खेलो एमपी यूथ गे स के शुभारंभ और प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया। खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने रविवार को खेलो एमपी यूथ गे स की मशाल को भोपाल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया था। यह मशाल सभी जिलों का दौरा कर एक अे टूबर को पुनः भोपाल पहुँचेगी। मशाल अब सागर जिले पहुँच गई है। सागर जिले के विधायक श्री शैलेन्द्र जैन ने मशाल का स्वागत किया और शहर में सभी खेल संघों के पदाधिकारी एवं खिलाड़ियों और स्कूली बच्चों के साथ खेलो एमपी यूथ गे स की मशाल रैली निकाली।

"खेलो एमपी यूथ गे स 2023"

प्रदेश में खेलों के प्रति युवाओं को जागरूक करने, खेल को सर्व सुलभ बनाने, ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें खेलों की तकनीकी पद्धति से प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये प्रदेश में कई अभिनव पहल किये जा रहे है। मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में पहली बार हुए खेलों इण्डिया यूथ गे स की सफलता के बाद घोषणा की थी कि ÷खेलो इण्डिया यूथ गे स÷ की तर्ज पर मध्यप्रदेश में ÷खेलो एमपी यूथ गे स÷ का आयोजन भी किया जाएगा।

खेलो एमपी यूथ गे स का आयोजन प्रदेश के सभी 52 जिलों के 313 विकासखण्डों में किया जा रहा है। यूथ गे स 4 चरणों, ब्लॉक, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर किया जाएगा। ब्लॉकस्तरीय चयन स्पर्धा जारी है। जिलास्तरीय प्रतियोगिता 21 से 25 सितंबर, संभागस्तरीय 26 से 30 सितंबर तथा राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 1 से 5 अे टूबर तक किया जाएगा। राज्यस्तर पर प्रदेश के 8 संभाग भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर, उज्जैन एवं शहडोल की टीमें सहभागिता करेंगी। 24 खेलों में राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएँ प्रदेश के 7 शहर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, शिवपुरी, उज्जैन, रीवा एवं जबलपुर में किये जाएंगे।

जिला एवं संभाग स्तर पर प्रदेश में प्रचलित 18 खेल एथलेटि स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉ सिंग, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, मलख ब, तैराकी, वेटलि टिंग, कुश्ती, टेबिल टेनिस, योगासन, वॉलीबॉल, टेनिस और शतरंज का आयोजन किया जाएगा।

राज्य स्तर पर 6 खेल ताइक्कांडो, फैंसिंग, रोइंग,` याकिंग-कनोइंग, शूटिंग एवं आर्चरी जैसे खेलों का आयोजन किया जाएगा। राज्यस्तर पर एथलेटि स, शूटिंग प्रतियोगिताएँ स्पोर्टस कॉ पले स शिवपुरी में होंगी। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में बॉ संग, ताक्कांडो, जूडो, फैंसिंग, टेनिस, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कुश्ती, शतरंज प्रतियोगिताएँ होंगी। भोपाल की बड़ी झील में क्याकिंग-कनोइंग और रोइंग तथा प्रकाश तरण पुष्कर में तैराकी प्रतियोगिता की जाएंगी। इंदौर के बॉस्केटबॉल का प्ले स में बास्केटबॉल और वेटलि टिंग प्रतियोगिताएँ तथा एमरॉल्ड हाइट्स स्कूल में टेबल टेनिस के मुकाबले होंगे। ग्वालियर में मध्यप्रदेश बेडमिंटन अकादमी बेडमिंटन और मध्यप्रदेश महिला हॉकी अकादमी क पू ग्वालियर में हॉकी की प्रतियोगिताएँ होंगी। स्पोर्टस कॉ पले स उज्जैन में मलख ब और योगासन, जबलपुर के रानीताल स्पोर्टस कॉ प्ले स में खो-खो एवं तीरंदाजी तथा स्पोर्टस कॉ प्ले स रीवा में कबड्डी के मुकाबले खेले जाएंगे।

(सफलता की कहानी)

ग्रामीण आजीविका मिशन की मदद से मजदूरी करने वाली सविता सफल व्यवसायी बनी

भोपाल । रतलाम जिले की सविता चौहान राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मदद से सफल व्यवसायी बन गई है। उनकी इस सफलता से अब क्षेत्र की अन्य महिलाएँ भी प्रेरणा ले रही हैं।

रतलाम से 20 किलोमीटर दूर कलोरीखुर्द गाँव की रहने वाली सविता चौहान पहले मजदूरी करती थी। ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूह की जानकारी मिलने पर वे भी समूह की महिलाओं के साथ जुड़ गईं। शुरूआत में सविता ने छोटी बचत करना शुरू की। इसके बाद सविता और उनके समूह की महिलाओं को अचार बनाने की ट्रेनिंग दिलाई गई। सविता ने एक लाख रूपये का लोन लिया और अचार बनाने का काम शुरू किया। इस वर्ष उनके समूह को 50 किलोग्राम अचार बनाने का ऑर्डर मिला है। पिछले वर्ष सविता ने 2 क्विंटल आम, 50 किलोग्राम लहसुन, 10 किलोग्राम नींबू और 5 किलोग्राम मिर्च का अचार विक्रय किया। उनका समूह लगातार प्रगति कर रहा है। कक्षा आठवीं तक पढ़ी सविता चौहान आगे भी पढ़ने की इच्छा रखती हैं। उनके 2 बच्चे अच्छे स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं। सविता ने अचार व्यवसाय के लिये मु यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का सहारा लेकर अब 2 लाख रूपये का व्यक्तिगत ऋण भी प्राप्त कर घर पर ही किराना की छोटी दुकान भी खोल रखी है। उनके पति जो पहले मजदूरी किया करते थे, का भी भवन निर्माण में सेंटरिंग का काम शुरू हो गया है।

प्रदेश में ग्रामीण आजीविका मिशन की मदद से ग्रामीण क्षेत्र की अनेक महिलाओं के जीवन में बदलाव आ रहा है, जिसका प्रमाण है सविता।

प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की रैंकिंग में सीहोर जिला अव्वल

अलीराजपुर के ग्राम जोहट का कस्तूरबा विद्यालय सर्वोत्तम छात्रावास

छात्रावासों के शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर बनाना शासन की प्राथमिकता - धनराजू एस

भोपाल। राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा आज यूट्यूब लाइव कार्यक्रम में प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की सत्र 2022- 23 की रैंकिंग जारी की गई। जिसमें सीहोर जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं अलीराजपुर जिले के ग्राम जोहट का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, छात्रावास प्रथम स्थान पर है।

संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस ने बताया कि छात्रावासों के शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर बनाना शासन की प्राथमिकता है। इस रैंकिंग प्रणाली को विकसित करने का मु य उद्देश्य रहवासी सुविधाओं के साथ छात्रावासों में अध्ययन-अध्यापन की बेहतर व्यवस्थाओं हेतु स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जागृत करना है।

धनराजू ने बताया कि छात्रावासों के प्रदर्शन एवं कार्यक्षमता के मानकों पर रैंकिंग जारी की गई है। रैंकिंग में स्वीकृत छात्रावासों की कार्यक्षमता के लिए 20 अंक, स्वीकृत सीटों पर नामांकन के लिए 20 अंक, छात्रावासी बच्चों के राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति में प्रदर्शन के लिए 20 अंक, ओलंपियाड में प्रदर्शन के लिए 20 अंक एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम के लिए 20 अंक निर्धारित किए गए हैं। इस तरह कुल 100 अंकों में यह रैंकिंग तैयार की गई है।

कार्यक्षमता एवं प्रदर्शन के आधार पर जारी रैंकिंग के अनुसार सीहोर जिले ने प्रदेश भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं रायसेन, देवास, डिंडोरी, मंडला, छिंदवाड़ा, अलीराजपुर, बड़वानी, इंदौर एवं धार क्रमशः प्रथम दस शीर्ष जिलों में हैं। इसके साथ ही प्रदेश भर के छात्रावासों की भी रैंकिंग जारी की गई है। यह रिपोर्ट एम.पी. एज्युकेशन पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

कुंवर शंकर शाह व रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम का किया आयोजन जिला पंचायत सदस्य ने की जनसभा

मंडला यशोः- जनपद पंचायत घुघरी की ग्राम पंचायत बनेहरी में सोमवार को शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मु य अतिथि के तौर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमति कौशल्या मरावी रही। सर्व प्रथम शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वालित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीराम मरावी सरपंच ग्राम पंचायत बनेहरी ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर सोमा सिंह धुर्वे भूतपूर्व सरपंच एवं चोबाराम मरावी व गन्नों बाई धुर्वे भूतपूर्व सरपंच सहित अन्य अतिथि ने की। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का पीले चावल और गमछा से स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीमति कौशल्या मरावी ने उपस्थिति जनो को संबोधित करते हुए कहा कि महाराजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान से राष्ट्रवाद की भावना का उदय हुआ। हम कभी

यह भी याद करें कि 1857 का अंग्रेजों का काल कितना कष्टप्रद रहा होगा। इन महान बलिदानियों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया होगा। महापुरुष किसी एक समाज या जाति का नहीं होता है बल्कि वह सर्व समाज और संपूर्ण मानव जाति का होता है उनका एक लक्ष्य था संपूर्ण राष्ट्र को स्वतंत्रता दिलाना। उन्होंने किसी जाति या समाज विशेष के लिए काम नहीं किया बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए काम किया। 1857 का वह काला दिन था जब उन्हें तोप के सामने बांध कर उड़ा दिया गया। मातृभूमि की रक्षा के लिए उन्होंने हंसते-हंसते अपनी जान दे दी। लेकिन शीश नहीं झुकाया। इसके अलावा उन्होंने अनेक बाते कहीं। उन्होंने हंसते-हंसते अपनी जान दे दी, लेकिन शीश नहीं झुकाया। इसके अलावा उन्होंने अनेक बाते कहीं। उपस्थित जनों इन महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर इन्हें याद किया। गोंडवाना राज्य के महाराजा शंकर शाह ने अंग्रेजों के विरुद्ध बिगुल फूंक दिया। उन्होंने अंग्रेजों की रेजीमेंट पर हमला कर दिया। शंकरशाह के इस कदम से अंग्रेजों ने उन्हें गिर तार कर और विद्रोह न भड़के इसलिए शंकरशाह को तोप से उड़ाने का फरमान जारी कर दिया। अंतिम इच्छा पूछे जाने पर शंकर शाह ने एक देशभक्ति और ओज की कविता सुनाई जिससे उपस्थित समूचे जनसमूह में जोश और उत्साह भर गया। गोंडराज्य के राजा थे शंकर शाह वर्तमान मध्यप्रदेश के महाकौशल अंचल में फैला गोंड राज्य उस वक्त एक समृद्धशाली राज्य था। राजा शंकर शाह के पिता का नाम राजा सुमेर शाह था 1789 में शंकर शाह का जन्म हुआ था। उस समय राजा सुमेर सिंह मराठों के बंदी होकर सागर के किले में कैद थे, रानी बेटे शंकर शाह के साथ राजधानी गढ़ा पुरवा में आकर रहने लगी थीं। शंकर शाह जंगल में बांस छीलकर नुकीले बाण तैयार करने लगे उन्हें देख आसपास के गोंड बालक भी जुड गए। धनुषबाण से वे निशानेबाजी का अ यास करने लगे थे कि दिनों में उनकी एक मित्र मंडली तैयार हो गई। कार्यक्रम के दौरान पूर्व उपसरपंच मिश्री लाल धुर्वे, पूर्व सरपंच गन्नों बाई धुर्वे, कोटवार चन्द्रेश कुमार बैरागी, गनपतियां बाई मरावी उपसरपंच, दयावती बाई पंच, सुमित्री मरावी, सुमंती बाई मोबाईजर, सुजला बाई, प्रेमवती कनोजे, रामबाई सेवकली कनोजे, कमल सिंह धुर्वे, रमेश धुर्वे, गनपतियां बाई पंच, बिगरो बाई मरावी, दयावती धुर्वे, तिहरो बाई मरावी, भविया मरावी, फूलवती मरावी, द्रोपती धुर्वे, बुद्धू सिंह बट्टी, लाल सिंह यादव, केहर सिंह धुर्वे, मिश्री लाल रहे। कार्यक्रम में बावन गढ़ी सांस्कृतिक लोक कला मंच पुरख के सुरता ग्राम नये गांव ब्लॉक मवई द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पर गायक धनसिंह परते, गायिका वंदना कुलदीप, संदीप करचाम, प्रताप धुर्वे, जीवन तांडिया, फूल सिंह कुलस्ते, अनूप नंदा, करण धुर्वे, ममता, संजना आर्मो, रामवती सरोते, श्याम धुर्वे ने उपस्थितजनों का मनमोह लिया।

किसानों को विकास की मु य धारा से जोड़ने में सहकारिता का योगदान महत्वपूर्ण

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित की वार्षिक आमसभा स पन्न

मंडला यशोः- जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, मंडला की 110वीं वार्षिक साधारण आमसभा कले टर डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि किसानों को विकास की मु य धारा से जोड़ने में सहकारिता का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने इन प्रयासों को भविष्य में भी जारी रखते हुए शेष बचे किसानों को लाभान्वित करने का आव्हान किया। बैठक में विगत वर्ष 2022-23 की बैंक की बैलेंस शीट, आय व्यय पत्रक, लाभ-हानि, आस्तियों का वर्गीकरण एवं विभिन्न मदों अंतर्गत स्वीकृत बजट व बजट से कम या अधिक हुए व्यय की स्वीकृति तथा

आगामी वर्ष के विकास कार्य योजना की स्वीकृति हेतु विषय विस्तारपूर्वक रखे गए। विषयों पर विचार उपरांत सर्वस मति से स्वीकृत दी गई।

बैंक महाप्रबंधक कोरी के द्वारा बताया गया कि बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 76.18 लाख रूपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया है। बैंक सभी वित्तीय पैमानों पर मजबूत स्थिति में है। बैंक का सीआरआर 18.74 प्रतिशत है तथा बैंक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित सभी मापदण्डों का पालन किया जा रहा है। सीआरआर व एसएलआर में वर्ष में एक भी बार चूक नहीं की गई है। बैठक में सुनील नामदेव, सुधीर कसार, महेश विश्वकर्मा एवं शशि पटैल के अलावा विभिन्न समितियों से पधारे हुये बैंक प्रतिनिधि, समिति प्रबंधक एवं शाखा प्रबंधक उपस्थित थे। इस अवसर पर कले टर डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान ऋण वितरण, वसूली एवं अमानत संग्रहण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाखा एवं समिति के कर्मचारियों को पुरूष्कृत किया गया।

पात्र हितग्राहियों को समय पर प्रदान करें योजनाओं का लाभ - डॉ. सिडाना

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कले टर के निर्देश

मंडला यशोः- समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासन की योजनाओं का समय पर लाभ प्रदान करें। विभागीय अधिकारी सतत समीक्षा करें तथा जो भी हितग्राही योजना के लाभ से वंचित हैं उनका चिन्हांकन कर लाभान्वित सुनिश्चित करें। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, सहायक कले टर रवि कुमार सिहाग सहित सभी विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

कले टर ने निर्देशित किया कि पेंशन सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों के ईकेवाईसी जल्द पूर्ण कराएं। पेंशन प्रकरणों में लापरवाही पाए जाने पर स त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने ईकेवाईसी में कमजोर प्रगति वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कले टर ने कहा कि मु यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। ग्राम स्तर पर बैठक आयोजित करते हुए फॉर्म भरवाने की कार्यवाही करें। जनपद स्तर पर समीक्षा बैठक आयोजित करें। इसी प्रकार लाड़ली बहना उज्वला योजना के प्रावधान तथा पंजीयन प्रक्रिया से हितग्राहियों को अवगत कराएं। डॉ. सिडाना ने सभी सें टर अधिकारियों को निर्देशित किया कि बुधवार को आवंटित क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए उपरोक्त दोनों योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में फीडबैक प्राप्त कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने निर्देशित किया कि न्यायालयीन प्रकरणों पर समय पर जवाब प्रस्तुत करें। मध्यान्ह भोजन के उठाव एवं क्रियान्वयन की एसडीएम, सीईओ जनपद सहित संबंधित अधिकारी मॉनिटरिंग करें। आपदा राहत के प्रकरणों पर समय पर राहत राशि जारी करें। संबंधित विभाग सड़कों की आवश्यक मर मत कराएं। स्कूल एवं छात्रावासों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करें। सीमांकन के प्रकरणों का समय पर निराकरण करें। कले टर ने टिकरिया-चुटका मार्ग निर्माण तथा जिला चिकित्सालय में ऐ स-रे मशीन के इंस्टॉलेशन के संबंध में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक संपन्न

मंडला यशोः- आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक में कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि जिले में रागी एवं कोदो-कुटकी की फसलों को प्रोत्साहित करें। जिले में कृषि के क्षेत्र में हो रहे अच्छे कार्यों को अन्य किसानों को भी दिखाएं। प्रदर्शन की बेहतर तैयारी करें। विभागीय प्रदर्शनियों को प्रभावी बनाते हुए उनमें स्थानीय कृषकों को स मिलित करें। कले टर ने इस संबंध में कैलेंडर तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्?होंने कहा कि प्राकृतिक खेती पर फोकस करें। शैक्षणिक भ्रमणों को बहुउद्देशीय बनाएं। फसल के साथ-साथ पशुपालन के संबंध में भी भ्रमण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें। बैठक में कले टर ने एजेंडावार समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट सहित संबंधित उपस्थित रहे।

शालाओं को शैक्षणिक दृष्टि से बेहतर बनाएं - डॉ. सिडाना

कले टर ने की शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा

मंडला यशोः- शैक्षिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि सभी शालाओं को शैक्षणिक दृष्टि से बेहतर बनाएं। शालाओं को प्रदाय की गई राशि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करें। इस संबंध में उन्होंने एसएमसी की बैठक आयोजित कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। कले टर ने कहा कि शाला की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राशि का समुचित उपयोग करें। योजना बनाकर आगामी एक सप्ताह में शतप्रतिशत स्कूलों का निरीक्षण करें। जिला योजना भवन में संपन्न

हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, सहायक कले टर रवि कुमार सिहाग सहित संबंधित उपस्थित रहे।

कले टर ने कहा कि शैक्षणिक संस्थाएं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से कार्य करें। एक टीम के रूप में कार्य करते हुए विद्यालय के सभी शिक्षक अपनी संस्था को बेहतर बनाने की जि मेदारी स्वीकार करें। विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य निर्धारण में सहयोग करें। कले टर ने बिजली, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। छात्रावासों की समीक्षा करते हुए कले टर ने कहा कि छात्र-छात्राओं को दी जाने वाली सामग्रियों में समय-सीमा एवं गुणवत्ता का ध्यान रखें। खेलकूद की सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराएं। बैठक में कले टर ने आदिम जाति कल्याण विभाग तथा समग्र शिक्षा अभियान के तहत कराए जा रहे छात्रावास एवं शाला भवनों के निर्माण तथा मर मत कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने निर्देशित किया कि सभी शालाओं में मध्यान्ह भोजन के खाद्यान्न का शतप्रतिशत उठाव सुनिश्चित करें। उन्होंने मध्यान्ह भोजन में मीनू का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

अधिवक्ता संघ भुआ बिछिया को मिली मान्यता

भुआ बिछिया यशोः- मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष प्रेम सिंह भदोरिया की अध्यक्षता में मान्यता समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें मंडला जिले के भुआ बिछिया अधिवक्ता संघ को मान्यता प्रदान करते हुए पंजीयन क्रमांक 269 आवंटित किया गया। भुआ बिछिया संघ के अध्यक्ष विजय चौरसिया, संदीप पटेल ,पीयूष पांडेय, योगेश अग्रवाल, दिलीप कोरबे, राजा ठाकुर, विनय यादव ,तुलसीराम मुजारे आदि अधिवक्ताओं ने राज्य अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष प्रेम सिंह भदोरिया, प्रकाश नारायण पाठक, गीता शु ला ,शैलेंद्र वर्मा तथा परिषद के सभी पदाधिकारी का आभार प्रकट किया।

उचित मूल्य दुकान के लिए आवेदन 20 तक आमंत्रित

मंडला यशोः- विकासखण्ड मवई अन्तर्गत ग्राम पंचायत इंद्री में उचित मूल्य दुकान रिक्त है, पंचायत में दुकान खोलने हेतु आवेदन पत्र 20 सितंबर 2023 तक आमंत्रित किये गए हैं। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की बेवसाइट जिजचेरूध्ध्तंजपवदउपजतंण्दपबण्पद पोर्टल पर पात्र संस्थाऐं 20 सितंबर 2023 तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। दुकान आवंटन की कार्यवाही संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा की जायेगी।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने धूमधाम से मनाया विश्वकर्मा जयंती का पर्व

.वाहनों की विधि विधान से की पूजन, अमन सुख शांति की मांगी कामना

मंडला यशोः- रविवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने पुलिस लाइन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के मु यालय में धूमधाम से विश्वकर्मा जयंती का पर्व मनाया यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 148 वाहिनी के मु यालय के कमांडेड अधिकारी विक्रांत सारंगपाणी एवं द्वितीय कमान अधिकारी अमित मिश्रा, उप कमान मनोरंजन कुमार, सहायक कमान मनीष कुमार, चिकित्सा अधिकारी भागलक्ष्मी एस के निर्देशानुसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां सर्वप्रथम भगवान विश्वकर्मा जी की विधि विधान से पूजन अर्चन करते हुए हवन किया गया। इसके पश्चात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के समस्त वाहनो की विधि विधान से पूजन अर्चन की गई। इस अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेड अधिकारी विक्रांत सारंगपाणी ने कहा कि हमारे बटालियन मु यालय में सभी त्योहार धूमधाम से मनाए जाते हैं विश्वकर्मा जयंती का महापर्व हमारे लिए सबसे बड़ा पर्व है जिसे हम धूमधाम से मनाते है। इसी दर्ज में बटालियन मु यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर द्वितीय कमांडेड अधिकारी अमित मिश्रा ने कहा कि हिंदू पंचांग के अनुसार विश्वकर्मा प्राकट्य दिवस हर साल कन्या संक्रांति के दिन मनाई जाती है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा की विशेष रूप पूजा-आराधना की जाती है। हर साल सृष्टि के सबसे बड़े और अद्भुत शिल्पकार विश्वकर्माजी की पूजा का पर्व बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार विश्वकर्मा जी सृष्टि के पहले शिल्पकार, वास्तुकार और

इंजीनियर हैं। धर्म ग्रंथों के अनुसार जब ब्र हाजी ने सृष्टि की रचना की तो इसके निर्माण कार्य की जि मेदारी भगवान विश्वकर्मा जी को दी। शास्त्रों के अनुसार भगवान विश्वकर्मा ब्र हा जी के सातवें पुत्र हैं। उप कमांडेंट मनोरंजन कुमार ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को ही सृष्टि का अभियंता कहा जाता है। सृष्टि को भगवान विश्वकर्मा ही चला रहे हैं, जितने भी आविष्कार या कोई मशीनरी काम कर रहे हैं, सब भगवान विश्वकर्मा की ही देन है। ऐसी मान्यता है कि जितने भी कल कारखाना और गाडियां इंजन चल रहे हैं, सब विश्वकर्मा भगवान की ही देन है। एक दिन विश्वकर्मा यानी सृष्टि के इंजीनियर का होता है। हर साल इसे 17 सितंबर को मनाया जाता है। हमारे हिंदू धर्म में यह मान्यता है कि विश्वकर्मा जयंती के दिन कोई भी मशीनरी या औजार का उपयोग नहीं किया जाता है। इस दिन सभी मशीनों औजारों के साथ अस्त्र-शस्त्र की विधिवत पूजा होती है। पूजा करने से पहले मशीनों औजारों को साफ किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूजा के बाद इसका उपयोग नहीं किया जाता है। विश्वकर्मा यानी सृष्टि के इंजीनियर के नाम पर मशीनों और औजारों को एक दिन का रेस्ट दिया जाता है। सहायक कमांडेंट मनीष कुमार ने कहा कि विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। सीआरपीएफ चिकित्सा अधिकारी भाग लक्ष्मी एस ने कहा कि विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा के पूजन अर्चन किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यों में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तु तंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तु विद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। इस दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 148 वाहिनी के अनेक जवान सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यालय आदिम जाति सेवा सहकारी समिति चक्की खमरिया प.क्र. 772 शाखा गोपालगंज

वार्षिक आमसभा की सूचना

दिनांक 12/09/2023

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति चक्की खमरिया पं.क्र.772 के प्रशासक महोदय, पूर्व अध्यक्ष/उपाध्यक्षो एवं समिति के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति की वार्षिक साधारण आमसभा दिनांक 27/09/2023 दिन बुधवार को दोप. 1 बजे समिति कार्यालय में रखी गई है।

अतः आप सभी महानुभावों की उपस्थिति प्रार्थनीय है। कोरम पूर्ति के अभाव में एक घंटा के पश्चात पुनः निर्धारित स्थान पर आमसभा की बैठक संपन्न की जावेगी जिसमें कोरम पूर्ति की आवश्यकता नही होगी।

प्रस्ताव के विषयः-

1. वर्ष 2022-23 एवं मासांत तक संचालक मंडल की बैठक में लिये गये निर्णय का अनुमोदन करने बावद विचार। 2. समिति द्वारा आगामी वर्ष 2024-25 की कार्य योजना तैयार कर अनुमोदन करने बावद विचार। 3. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हुई है तो वार्षिक रिपोर्ट पर विचार। 4. शुद्ध लाभ के व्ययन पर विचार। 5. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए घाटे के कारणों का परीक्षण करने बावद विचार। 6. वर्ष 2023-24 के लेखाओ का संपरिक्षक नियुक्त करने के लिये संपरिक्षक फर्म की नियुक्ति करने बावद विचार। 7. समिति में नये सदस्य भर्ती किये गये है जिसका अनुमोदन बावद विचार। 8. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से।

आ.जा. सेवा सह. समिति चक्की खमरिया पं.क्र. 772

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati. com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बीझांवाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक- मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297